काम-देवियों की चूत चुदाई-6

“आप सभी को मेरी इस कहानी जिसमें कई कहानियाँ एक साथ हैं, पढ़ कर मजा आ रहा होगा। कहानी में सभी नाम और स्थान असली नहीं हैं, उन्हें परिवर्तित किया हुआ है। मजे में दिन यूँ ही निकलते गए। एक दिन शाम को लीना अपने घर जा चुकी थी, मैं भी ऑफिस बंद करने की […] ...”

Story By: (ronisaluja)
Posted: Friday, August 16th, 2013
Categories: ऑफिस सेक्स
Online version: काम-देवियों की चूत चुदाई-6

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

काम-देवियों की चूत चुदाई-6

आप सभी को मेरी इस कहानी जिसमें कई कहानियाँ एक साथ हैं, पढ़ कर मजा आ रहा होगा। कहानी में सभी नाम और स्थान असली नहीं हैं, उन्हें परिवर्तित किया हुआ है।

मजे में दिन यूँ ही निकलते गए। एक दिन शाम को लीना अपने घर जा चुकी थी, मैं भी ऑफिस बंद करने की तैयारी कर ही रहा था। तभी मेरे एक परिचित मित्र आए।

उनके साथ आई मोहतरमा से परिचय कराते हुए कहा- ये मंजू मैडम हैं, महाराष्ट्र की हैं। अपने शहर में सरकारी नौकरी करती हैं और भविष्य में यही बस जाना चाहती हैं, अपना मकान बनवाने के लिए आपसे मिलना चाहती हैं।

उन्होंने अपने साथ लाए प्लाट के पेपर, इंजीनियर का बना हुआ नक्शा और अन्य प्लान के सारे कागजात दिखाए।

मैंने कहा- कल 12 बजे आ जाइए तो चल कर आपकी साईट देख लूँगा, फिर आपको उसका खर्च बता दूँगा।

मैंने उनका नाम पता और फोन नंबर अपने रजिस्टर में लिख लिया और उनके जाने के बाद ऑफिस बंद करके घर चला गया।

अगले दिन ठीक ग्यारह बजे ऑफिस आ गया फिर उनके दिए हुए नक्शों को देखने लगा। मगर नक्शे से ज्यादा मंजू का शारीरिक भूगोल मेरे मानस पटल पर छाया हुआ था।

उसकी शारीरिक बाह्य रुपरेखा बहुत ही लाजबाब थी। उसके चुच्चे बड़े और गांड के उभार बहुत ही विकसित थे। रंग गोरा और आँखे कजरारी थी भरा हुआ चेहरा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुछ देर बाद जवानी से लबरेज मंजू भी आ गई, बिल्कुल अप्सरा लग रही थी, अपने काले घने बालों में फूलो की लड़ी बांध रखी थी, एक हाथ में नाम मात्र को कुछ चूड़ियाँ, दूसरे हाथ में घड़ी।

उनके बदन पर मेरून रंग की साड़ी में कमर के साथ नाभि का नजारा और नितंब के उभार तो मुझे घायल किया जा रहे थे। ब्लाउज से बाहर को निकलते बड़े-बड़े उरोज उसकी सुन्दरता में चार चाँद लगा रहे थे। उम्र शायद उनतीस-तीस के आसपास होगी। उन्होंने गुलाब की खुशबु लगाई हुई थी। ऐसा लग रहा था, जैसे खिला हुआ गुलाब मेरे सामने हो।

इच्छा हो रही थी कि उसकी कोमलता को छू कर महसूस करूँ, पर ये असंभव था।

मैंने उन्हें बैठने के लिए बोलकर चाय वाले से चाय लाने को बोल दिया, फिर कहा- मेरी असिस्टेंट लीना आती ही होगी। तब तक आप चाय लीजिए।

कुछ मिनट बाद लीना आई तो उसने तिरछी नजरों से मंजू को देखते हुए अपनी सीट संभाल ली।

फिर मैंने मंजू से लीना का परिचय कराया और मंजू को लेकर उसकी साईट पर निकल गया। उसका प्लाट अच्छी लोकेशन पर था।

बाजू वाले प्लाट पर एक मकान बना हुआ था। जो मित्तल साहब का है और अधिकतर प्लाट खाली पड़े हुए थे।

मैंने सारा एस्टीमेट बना कर मैडम को दिया तो मैडम ने भी मंजूरी दे दी।

मंजू मैडम को बोला- मैडम, मित्तल साहब के मकान में एक कमरा स्टोर रूम बनाने को किराये से मिल जाए तो ठीक रहेगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उन्होंने मित्तल साहब का दरवाजा खटखटाया तो घूँघट किए एक महिला जिसकी गोद में एक साल का बच्चा था। जो पूरी गांव की गोरी लग रही थी, ने दरवाजा खोला बोली- कौन से काम है बाबू ?

मैंने कहा- मित्तल साब से।

बोली- उ इहाँ नई रहत, उ तो बाहर मा हैं। हम उनी के गांव के हैं। सो अपने मरद के साथ इहाँ रहत हैं। मित्तल साब तो कबहूँ-कबहूँ आत हैं इहाँ।

मंजू मैडम- क्या नाम है तुम्हारा ? मित्तल साहब का फोन नंबर है तुम्हारे पास ?

महिला- हमरा नाम किरण है। साब का फोन नंबर ऊ कलेंडर पर लिखे हैं।

मंजू मैडम ने फोन लगाया मित्तल साब से बात हुई तो उन्होंने कमरा देने के लिए हाँ कर दी। फिर किरण से उनकी बात करवा दी, जी साब जी कहते हुए किरण ने फोन वापस दे दिया।

“साब बोले हैं कमरा दे दो, किराया नाही लेना, आओ बाई जी आप के कमरा दिखा देव।”

सड़क से लगे हुए दो कमरे थे, एक वो जिस में से दरवाजा खोलकर किरण बाहर निकली थी। उसके बाजू का कमरा किरण ने हम लोगों को दिखा दिया। उसमें एक तख्त और एक पुरानी कुर्सी रखी थी।

बोली साब- इ सामान कहो तो हटा दूँ।

मैंने कहा- तख्त कुर्सी रखा रहने देना। मेरे काम आ जायेंगे।

कमरे का पीछे का दरवाजा आँगन में खुलता है। आँगन के बाद फिर कमरे बने हुए थे। एक

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कमरा खुला था, शायद उसमें किरण रहती होगी।

दूसरे दिन से भूमिपूजन के साथ काम शुरू हो गया। किरण भी आई थी वहाँ। घूँघट से दिखता सुन्दर मुखड़ा, घुटनों तक साड़ी और बिना ब्रा के ब्लाउज से उसके यौवन के दीदार करके मेरा तो लौड़ा अंगड़ाई लेने लगा।

मंजू मैडम प्रसाद बाँट रही तो किरण बोली- साब, हमार मरद हरिया को भी इहाँ काम पर लगा लो, बड़ी मेहरबानी होगी।

मैंने उसके बच्चे को खिलाते हुए कहा- तुम कह रही हो तो लगा लूँगा।

तो किरण मुस्कुराते हुए चली गई। दूसरे दिन मैं कमरे में तख्त पर बैठ मकान के प्लान पर नजर डाल रहा था।

तभी सर पर तौलिया बांधे मैले से कपड़े पहने एक व्यक्ति आया, बोला- साब, मैं हरिया हूँ। म्हारी जोरू किरण और बचुआ के साथ इही मकान में रहत हूँ। साब मजूरी करत हूँ। आप अपने इहाँ लगा लो।

मैंने कहा- देखो हरिया अभी जरूरत नहीं है। जब होगी तो बता दूँगा।

थोड़ी देर बाद किरण आई बोली- साब आप कहत थे कि हरिया को लगा लोगे। फिर काहे मना कर दिए ? ऊ का लगा लो साब बहुत अहसान होगा हम पर।

मैंने मौका देख उसका हाथ पकड़कर तख्त पर बिठा लिया कहा- अभी मेरे पास पर्याप्त काम करने वाले हैं, जैसे ही जरूरत होगी मैं हरिया को लगा लूँगा।

किरण- साब ऊ का काम पर लगा लोगे तो ऊ को काम के खातिर भटकना नाहीं पड़ेगा और रात में प्लाट की चौकीदारी भी करत रहेगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसकी बात सही लगी। उसके कंधे पर हाथ रखकर मैंने कहा- किरण तुम बहुत अच्छी हो। तुम्हें मना नहीं करूँगा, भेज दो हरिया को। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

वो मुस्कुराते हुए चली गई।

फिर मिस्त्री से बोल दिया- हरिया को टीम में शामिल कर लो।

दूसरे दिन साईट पर गया तो वहाँ का काम जिस द्रुतगति से चल रहा था। उसी गति से मेरा दिल गाँव की गोरी किरण के हुस्न का दीवाना हुआ जा रहा था।

मैं कमरे में जाकर दरवाजे लगाकर तख्त पर आराम करने लगा। तभी आंगन में मुझे चूड़ियों की खनक सुनाई दी।

कहानी जारी रहेगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

गाँव की कुसुम और उसकी आपबीती-3

मुकेश जी बोले- थोड़ा दर्द होगा ! बर्दाश्त कर लेना ! मुझको लिटा कर मेरे नितंब के नीचे दो तकिये लगा दिए उन्होंने, उस पर एक तौलिया बिछा दिया। मैंने आँख बंद कर ली उस पल के इंतज़ार में मैं दम साधे […]
Full Story >>>

गाँव की कुसुम और उसकी आपबीती-2

मुकेश बोले- कुसुम, तुम मेरा ईमान ख़राब कर रही हो, तुमने मुझे नंगा देख लिया और मुझे भी तुमको देखना है। जब मैं नहाने गई तो अपना जिस्म देख कर शर्मा सी गई, मुकेश जी के बारे में सोचने लगी […]
Full Story >>>

गाँव की कुसुम और उसकी आपबीती-1

एक लड़की जिसका नाम कुसुम केशरवानी था, अभी वो अमेरिका में रहती है, शादीशुदा है पर वो इलाहाबाद से करीब 30 किलोमीटर दूर एक गांव की रहने वाली थी। वो अमेरिका कैसे पहुँची, क्या हुआ उसके साथ… मैं राहुल श्रीवास्तव […]
Full Story >>>

ब्रिटेन में गोरी अप्सराओं की मस्त चुदाई-2

मेरी सेक्स स्टोरी के पहले भाग में आपने जाना कि मैंने कैसे ब्रिटेन में एक गोरी फ़िरंगी नैंसी की चुदाई की। अब आगे.. सुबह उठकर मैं और नैंसी ऑफिस गए, ऑफिस में नैंसी के चेहरे पर साफ खुशी दिख रही […]
Full Story >>>

सविता भाभी का साक्षात्कार

मित्रो, यह कहानी विश्व प्रसिद्ध सविता भाभी के रंगीन जीवन से जुड़ी हुई एक रोचक घटना पर आधारित है.. आनन्द लीजिएगा। एक दिन खाना खाते हुए सविता भाभी ने अपने पति अशोक से पूछा- क्या बात है अशोक, तुम कुछ […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Delhi Sex Chat

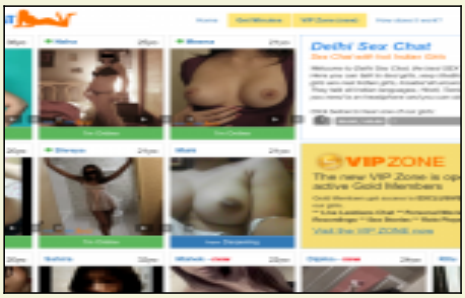

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

Desi Kahani

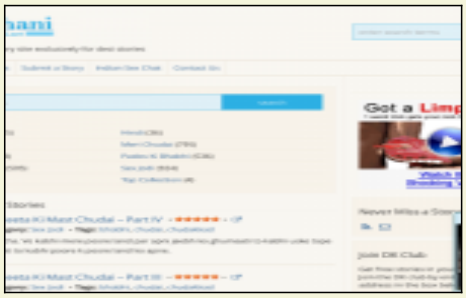

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire